योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने जानी पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की बारीकियां

लखनऊ, 4 जनवरी, 2024:

इन्वेस्ट यूपी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार तथा रिमोट सेंसिंग ऍप्लिकेशन्स सेंटर (आरएसएसी-यूपी) के संयुक्त तत्वाधान में आज आरएसएसी-यूपी परिसर में प्रदेश सरकार के सभी नोडल व तकनीकी अधिकारियों के लिए पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अधिकारियों ने पीएम गति शक्ति एनएमपी की बारीकियां एवं आवश्यकताएं समझीं।

कार्यशाला में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के सचिव एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी इन्वेस्ट यूपी-श्री अभिषेक प्रकाश, उप महानिदेशक डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार-श्री विनोद कुमार वर्मा, उप महानिदेशक पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय-श्री डी.के. ओझा और निदेशक आरएसएसी-यूपी - डॉ. पी. कुंवर शामिल हुए एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सम्बोधित किया।

आरएसएसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री सुशील चंद्रा ने सत्र की शुरुआत स्वागत भाषण से करते हुए पीएम गतिशक्ति पोर्टल में लेयर इंट्रीगेशन पर अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से न केवल विषय वस्तु को समग्रता के साथ रखा बल्कि अधिकारियों को कार्यशाला के विषय की बारीकियों से अवगत भी कराया।

सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग एवं इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अभिषेक प्रकाश के प्रस्तुतीकरण से कार्यशाला को गति मिली। सत्र में पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के सफल कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रयासों का सन्दर्भ देते हुए विभाग की प्रगति एवं संबंधित विभागों से प्रमुख अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला की महत्ता समझाते हुए, उन्होने कहा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान अंतर्विभागीय समन्वय एवं भौतिक सत्यापन में व्यर्थ होने वाले समय को बचाता है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में समयबद्धता आती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के संदर्भ में विस्तार से बताते हुए लेयर इंटीग्रेशन प्रक्रिया की मदद से योजनाओं के बेहतर निष्पादन पर जोर दिया। साथ ही आधुनिक टूल्स के उपयोग के भी निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उन्होने बताया कि अब तक 24 अनिवार्य लेयर का एकीकरण एवं सत्यापन हो चुका है तथा 55 अतिरिक्त लेयर पोर्टल पर एकीकृत की गई हैं।

कार्यशाला में अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए, **आरएसएसी-यूपी के निदेशक डॉ. पी. कुंवर** ने व्यापक सम्बोधन में आरएसएसी-यूपी के महत्व पर प्रकाश डाला और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान जैसी पहल की सफलता में आरएसएसी के योगदान से अवगत कराया। इस सत्र ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में रिमोट सेंसिंग की भूमिका को समझने में मदद की।

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, डीपीआईआईटी के उप महानिदेशक, श्री विनोद कुमार वर्मा ने पीएम गति शक्ति एनएमपी पोर्टल के तकनीकी पक्षों को अधिकारियों को समझाया। उन्होंने कहा कि पीएम गति शक्ति एनएमपी, जिसका शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दो वर्ष पहले किया गया था, वह आज सभी विभागों, जैसे अवस्थापना इत्यादि को योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु प्रेरित एवं मदद कर रहा है। अपने सम्बोधन को विराम देते हुए उन्होने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया की भविष्य की सभी योजनाएं पीएम गति शक्ति के माध्यम से नियोजित की जानी चाहिए।

श्री डी.के. ओझा, उप महानिदेशक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने सत्र में आगे बढ़ते हुए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की आवश्यकताएं बताई। उन्होंने पीएम गति शक्ति के रणनीतिक पहलुओं पर प्रकाश डाला और ऊर्जा क्षेत्र पर इसके संभावित प्रभावों की सराहना भी की। साथ ही उन्होंने इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागियों को मास्टर प्लान के व्यावहारिक अनुप्रयोग प्रदर्शित किए।

कार्यशाला के अंत में आरएसएसी-यूपी के वैज्ञानिक-(सिस्टम इंजीनियरिंग) **डॉ. एम.एस. यादव** ने कार्यशाला की सफलता में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं और आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।